

the National Academy of Administration followed by district training in Revenue, Judicial and Administrative fields.

(b) It has been decided to make all future recruitment to the service through the U.P.S.C.

(c) 72, 74 and 76 respectively.

### डाक टिकट

2201. { श्री प० ला० बरूपाल :  
श्री समनानी :

क्या संचार मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि क्या राज भाषा हिन्दी को प्रोत्साहन देने के लिए सारे देश में डाक-खानों द्वारा जारी किये गये सभी टिकट हिन्दी में छापने का सरकार का विचार है ?

संचार विभाग में उपमन्त्री (श्री भगवती) : राजभाषा होने के कारण देवनागरी लिपि में हिन्दी को भी जैसे ही व्यावहारिक रूप में संभव होगा शीघ्रतः सभी भारतीय डाक-टिकटों में स्थान दिया जाएगा ।

नेपाल की विदेश डाक सेवार्थे

2202. { श्री रघुनाथ सिंह :  
श्री श्रींकार लाल बेरवा :

क्या संचार मंत्रः यह बताने की कृपा करेंगे कि क्या यह सच है कि इस वर्ष 13 अप्रैल से नेपाल अपनी विदेश डाक सेवा स्वयं चलायेगा जिसे भारत सन 1816 से चला रहा है ?

संचार विभाग में उपमन्त्री (श्री भगवती) : बीमा पत्र और पार्सलों के आदान-प्रदान के लिए भारत और नेपाल के बीच हुए द्विपक्षीय समझौतों के प्रावधानों के अन्तर्गत 13 अप्रैल, 1965 से विदेशों के लिए नेपाल की अपनी बीमा तथा पार्सल डाक सेवा ही जाएगी । अभी तक इन सेवाओं की व्यवस्था काठमांडू

स्थित भारतीय दूतावास डाकघर के माध्यम से की जाती थी । नेपाल विश्व डाक संघ का 1956 में सदस्य बना था । 14 अप्रैल, 1959 से उसने विदेशों से पत्र डाक सेवा प्रारम्भ की थी, जिसके लिए कि उसे मुख्य रूप से भारतीय दूतावास डाकघर पर निर्भर रहना पड़ता था ।

### Display of Military Costumes

2203. **Shri M. Malaichami:** Will the Minister of Defence be pleased to state:

(a) whether there is any proposal to display the military costumes of all the warrior classes in the country from the very early historic days during the Republic Day Celebrations in the Capital; and

(b) if so, whether any compilation of the warrior classes in the country has been made?

**The Minister of Defence (Shri Y. B. Chavan):** (a) In the Republic Day Parade to be held in the Union Capital in 1966, it is proposed to include a display of period military costumes of India as was done in 1965. For this purpose a few periods, including those of ancient India, will be chosen. The emphasis will be on different periods, not on different warrior classes. In any case the selection cannot be exhaustive.

(b) Ministry of Defence will make an effort to compile a list of various period uniforms with the help of the Historical Section.

### Land for Jawans

2204. { **Shri Yudhvir Singh:**  
**Shri Onkar Lal Berwa:**  
**Shri Hukam Chand**  
**Kachhavalya:**  
**Shri Bade:**

Will the Minister of Defence be pleased to state the number of States which have drawn up the schemes to